देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 238 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
खाली हाथ
पाकिस्तान

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 30 दिसंबर 2023

मौसम अधिकतम 20.0° न्यूनतम 11.0°

72196.62

2 जोंबी डियर डिजीज ने बढ़ाई चिंता

7 रवि शास्त्री ने जमकर लगाई लताड़

शांति के लिए ऐतिहासिक समझौता

केंद्र और असम सरकार के साथ हुआ उल्फा गुट का शांति समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के गुट और केंद्र और असम सरकार के बीच त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस बाबत राजधानी दिल्ली में हुई बैठक में असम के सीएम हिमंता बिस्व शरमा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के डीजीपी भी मौजूद रहे। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक समझौता हुआ है। लंबे समय तक असम और पूरे उत्तर-पूर्व ने हिंसा झेली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ही उग्रवाद, हिंसा और विवाद मुक्त उत्तर-पूर्व भारत की कल्पना लेकर गृह मंत्रालय चलता रहा है। भारत सरकार, असम सरकार और उल्फा के बीच जो समझौता हुआ है, इससे असम के सभी हथियारी गुटों की बात को यहीं समाप्त करने में हमें सफलता मिल गई है। ये असम और उत्तर-पूर्वी राज्यों की शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दशकों पुराने उग्रवाद के खत्म होने की उम्मीद

अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की मौजूदगी में हस्ताक्षरित समझौता, अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व वाले उल्फा गुट और सरकार के बीच 12 साल की बिना शर्त बातचीत के बाद हुआ है। इस शांति समझौते से असम में दशकों पुराने उग्रवाद के खत्म होने की उम्मीद है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ष्यह मेरे लिए खुशी की बात है कि आज का दिन असम के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल दिन है। लंबे समय तक, असम और पूर्वोत्तर को हिंसा का सामना करना पड़ा और 2014 में पीएम मोदी के पीएम बनने के बाद, दिल्ली और पूर्वोत्तर के बीच अंतर को कम करने के प्रयास किए गए।

वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि आज असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में असम की शांति प्रक्रिया निरंतर जारी है।

प्रतिनिधिमंडल में 16 उल्फा सदस्य और 14 लोग नागरिक समाज से शामिल हैं। इसके पहले केंद्र ने अप्रैल में वार्ता समर्थक गुट को प्रस्तावित समझौते का मसौदा भेजा था, जबकि अगस्त में नई दिल्ली में गुट के साथ चर्चा का एक और दौर आयोजित किया गया था। संगठन के महासचिव अनुप चेतिया ने कहा, शांति समझौते के लिए उल्फा के वार्ता समर्थक गुट का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली पहुंच चुका था।

असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर कहा, समझौते पर हस्ताक्षर शुक्रवार शाम पांच बजे गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उल्फा के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किए गए।

माना जा रहा है कि बरुआ चीन-म्यांमार सीमा के पास रहता है। उल्फा का गठन 1979 में संप्रभु असम की मांग के साथ किया गया था। बाद से यह कई विध्वंसक गतिविधियों में शामिल रहा है, जिसके कारण केंद्र ने 1990 में इसे प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया।

1979 में हुआ था गठन

अलगाववादी संगठन उल्फा का गठन अप्रैल 1979 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) से आए बिना दस्तावेज वाले अप्रवासियों के खिलाफ आंदोलन के बाद हुआ था। फरवरी 2011 में यह दो समूहों में विभाजित हो गया था और अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व वाले गुट ने हिंसा छोड़ दी थी। यह गुट बिना शर्त सरकार के साथ बातचीत के लिए सहमत है। दूसरे उल्फा गुट का नेतृत्व करने वाले परेश बरुआ बातचीत के खिलाफ हैं। वार्ता समर्थक गुट ने असम के मूल निवासियों की भूमि के अधिकार समेत उनकी पहचान और संसाधनों की सुरक्षा के लिए सुधारों की मांग की है। हालांकि, परेश बरुआ की अध्यक्षता वाला उल्फा का कट्टरपंथी गुट इस समझौते का हिस्सा नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

आज होगा भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जयपुर। राजस्थान में मंत्रिमंडल के विस्तार का इंतजार अब खत्म होने वाला है। शनिवार को राजभवन में दोपहर 3:30 बजे कई विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा शपथ ले चुके हैं। राजस्थान में कुल 33 मंत्री बनाए जा सकते हैं। मंत्रियों के नाम की लिस्ट गृहमंत्री अमित शाह के पास है।

भारतीयों का हित हमारी सबसे बड़ी चिंता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कतर की अदालत द्वारा भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की मौत की सजा को कम किए जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनकी सजाएं कम कर दी गई हैं, लेकिन (अदालत का) विस्तृत फैसला देखने तक उनके पास साझा करने के लिए कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं है।

ललन सिंह का इस्तीफा नीतीश कुमार को कमान

अध्यक्ष बदलने के बाद जेडीयू का बड़ा संकेत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आम चुनाव से करीब तीन महीने पहले जेडीयू ने बड़ा फैसला लिया है। पार्टी के अध्यक्ष रहे ललन सिंह ने शुक्रवार को दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पद से इस्तीफे की पेशकश कर दी और फिर नीतीश कुमार को कमान मिल गई। इस फैसले के बाद जेडीयू को लेकर कयास लग रहे हैं। चर्चा यहां तक है कि नीतीश कुमार फिर से पाला बदलते हुए भाजपा के साथ सरकार बना सकते हैं। इसकी वजह यह मानी जा रही है कि ललन सिंह अंदरखाने राजद के साथ डील करना चाहते थे और तेजस्वी को सीएम बनाने के लिए लॉबिंग कर रहे थे। ऐसे में कयास तेज हैं और पार्टी नेता केसी त्यागी के बयान ने इन्हें और बढ़ा दिया है।

झारखंड से शुरू करेंगे जाति जनगणना के लिए जनजागरण

नीतीश कुमार जनवरी महीने से झारखंड से अभियान शुरू करने वाले हैं। इसके तहत वह बिहार में लिए गए जाति गणना के फैसले की जानकारी देंगे और पूरे देश में ऐसा करने के लिए जनजागरण करेंगे। माना जा रहा है कि नीतीश का यह कदम इंडिया अलायंस में अपना कद बढ़ाने की कोशिश है। शायद इसी रणनीति के तहत केसी त्यागी ने उन्होंने इंडिया गठजोड़ के विचारों का संयोजक और पीएम करार दिया है। बता दें कि इंडिया की मीटिंग में खरगे का नाम पीएम फेस के तौर पर रखे जाने से नीतीश कुमार की नाराजगी की बातें भी सामने आई थीं।

शाम 5 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में केसी त्यागी ने कहा कि भाजपा हमारी दुश्मन नहीं है। राजनीति में कोई भी दुश्मन नहीं होता। इस तरह केसी त्यागी ने खुलकर तो कुछ भी नहीं कहा, लेकिन एक हिंट जरूर छोड़ गए कि आवश्यकता पड़ने पर कुछ भी हो सकता है। यह भी संभव है कि जेडीयू की ऐसी बयानबाजी राजद पर दबाव बनाने की कोशिश हो, लेकिन इस बयान के कुछ मायने जरूर हैं। मीटिंग के बारे में बताते हुए केसी त्यागी ने कहा कि 4 राजनीतिक प्रस्ताव पारित हुए हैं। इनमें से एक प्रस्ताव यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर जाति गणना कराई जाए। उन्होंने कहा कि ललन सिंह और नीतीश कुमार में कोई मतभेद नहीं हैं। दोनों एक साथ हैं।

पाकिस्तान से सईद को भारत को सौंपने की मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को भारत लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान से सईद को भारत को सौंपने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह आधिकारिक रूप से जानकारी दी है। प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया है कि हाफिज सईद को सौंपने के लिए पाकिस्तान से भारत सरकार ने प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपनी नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, संबंधित व्यक्ति (हाफिज सईद) भारत में कई मामलों में वॉन्टेड है। वह यूनाइटेड नेशन द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी भी है। इस संबंध में, एक विशेष मामले में मुकदमे का सामना करने के लिए उसे भारत में प्रत्यर्पित करने के लिए जरूरी दस्तावेजों के साथ पाकिस्तान सरकार से अनुरोध किया है। हम उन गतिविधियों के मुद्दे को चिह्नित कर रहे हैं, जिनके लिए वह वॉन्टेड है। प्रत्यपर्ण का यह अनुरोध हाल में ही किया गया है।

गौरतलब है कि 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में सिलसिलेवार आतंकी हमले हुए थे। पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद का संगठन लश्कर ए-तैयबा के दस आतंकियों ने भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में कई जगह पर हमला कर दिया था।

कोशिशें

■ वॉन्टेड, यूएन ने घोषित किया आतंकी

पाकिस्तान का दावा झूठा

दोषी पाए जाने के बाद पाकिस्तान ने दावा किया कि हाफिज सईद के ऊपर कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में रखा गया। लेकिन हर बार पाकिस्तान का यह दावा झूठा साबित हुआ। सईद कई बार पाकिस्तान में स्वतंत्र रूप से घूमता हुआ पाया गया और भारत के खिलाफ उसने भड़काऊ भाषण भी दिए।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भारत के लिए ऐतिहासिक दिन होगा आज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि आज अयोध्या हवाई अड्डे के उद्घाटन के साथ देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन होगा, जिसे दूसरे चरण में समग्र क्षेत्र में वृद्धि और रनवे की लंबाई बढ़ाकर बड़े पैमाने पर विस्तारित किया जाएगा। अयोध्या

पीएम मोदी करेंगे अयोध्या हवाईअड्डे का उद्घाटन

हवाईअड्डे को 6,500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया गया है, जिसका उद्घाटन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

सिंधिया ने कहा कि आने वाले दिनों में अयोध्या हवाई अड्डे से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। देशभर में नागरिक उड्डयन की क्षमता में जबरदस्त संभावनाएं हैं। सिंधिया ने कहा, आज न केवल नागरिक उड्डयन के लिए, न केवल अयोध्या शहर के लिए, न केवल उत्तर प्रदेश के लिए, न केवल भारत के लिए बल्कि उन सभी के लिए एक ऐतिहासिक दिन होने जा रहा है जो हिंदू धर्म के प्रति हमारी आत्मा की जीवंतता और प्रतिबद्धता में विश्वास करते हैं। हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम रखा जाएगा।

न्यूज डायरी

भारतीय मूल के उद्यमी को ऑर्डर ऑफ कनाडा के अधिकारी के रूप में किया गया नियुक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। भारत में जन्मे उद्यमी और विचारक नेता फिरदौस खरास को मानव–केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक श्ऑर्डर ऑफ कनाडाश के एक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। ऑर्डर ऑफ कनाडा के लिए 2023 नियुक्तियों की वार्षिक सूची गुरुवार को कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन द्वारा जारी की गई।

ऑर्डर ऑफ कनाडा देश (कनाडा) के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह समाज के सभी क्षेत्रों के उन लोगों को मान्यता देता है, जिन्होंने कनाडा में असाधारण और निरंतर योगदान दिया है। 68 वर्षीय खरास को एक सामाजिक उद्यमी, मानवतावादी और जन संचार मीडिया निर्माता के रूप में मानव–केंद्रित मीडिया के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए ऑर्डर ऑफ कनाडा का अधिकारी नियुक्त किया गया था। खरास ने एक बयान में कहा, "मैं इस उच्च सम्मान को पाकर बहुत प्रभावित हूं, जो एक आप्रवासी के रूप में मेरे लिए विशेष रूप से सार्थक है। हालांकि एक उच्च उपलब्धि हासिल करने वाला समुदाय, पारसी कनाडा में केवल 3,600 की संख्या वाला एक छोटा समुदाय है, इसलिए इस तरह से ध्यान दिया जाना बेहद संतोषजनक है। नियुक्तियों को उनका प्रतीक चिन्ह प्राप्त करने के लिए बाद में एक अलंकरण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इन समारोहों की तारीखों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी।

भारतीय सेना में इतिहास बन जाएंगे नेपाल के वीर गोरखा सैनिक?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के गोरखा सैनिक रूस से लेकर यूक्रेन तक में जंग लड़ रहे हैं। इन युद्धरत देशों में कम पैसा और जान के खतरों के बाद भी नेपाली युवा वहां जाने को मजबूर हो रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सौद ने दावा किया है कि रूसी सेना में शामिल 100 के करीब नेपाली युवा लापता और घायल हैं। 6 के मारे जाने की भी खबर है। उन्होंने कहा कि इस समय नेपाल के करीब 200 गोरखा पैसे के लिए रूसी सेना की ओर से यूक्रेन से लड़ रहे हैं और यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड खुलासा कर चुके हैं कि कई गोरखा सैनिक यूक्रेन की सेना की ओर से भी लड़ रहे हैं। नेपाल ने रूस से गोरखा सैनिकों की भर्ती बंद करने को कहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नेपाली गोरखा सैनिकों के यूक्रेन की जंग में हिस्सा लेने की एक बड़ी वजह भारतीय सेना की अग्निवीर योजना है। नेपाल ने साफ कह दिया है कि वह भारत की नई अग्निवीर योजना के तहत अपने युवाओं की भर्ती नहीं होने देगा। इसी वजह से गोरखा सैनिकों की भर्ती भारत की सेना में रुकी हुई है। इससे गोरखा ब्रिगेड में लगातार उनकी संख्ख्या भी अब कम होती जा रही है। गोरखा सैनिकों की दिलेरी के बारे में कहा जाता है कि वे मौत से भी नहीं डरते और दुश्मन की आंख में आंख डालकर हमला करते हैं।

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तटों पर मई के बाद से बढ़ा शार्क का आतंक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एडिलेड। हाल के महीनों में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में एथेल समुद्र तट पर तीसरे घातक शार्क हमले में एक 15 वर्षीय सर्फर की मौत हो गई है। यहां अधिकारियों ने कहा कि खाई काउली पर गुरुवार को एक संदिग्ध सफेद शार्क ने हमला कर दिया, जब वह अपने गृहनगर एडिलेड के पश्चिम में यॉर्क प्रायद्वीप पर सुदूर एथेल समुद्र तट पर अपने पिता के साथ सर्फिंग कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि सर्फर को किनारे पर लाया गया लेकिन आपातकालीन सेवाएं उसे पुनर्जीवित करने में असमर्थ रहीं। मई और अक्टूबर में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के दूरदराज के हिस्सों में शार्क के हमलों में सर्फरों की मौत हो गई। उनके शव कभी बरामद नहीं किये गये। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनौस्कस ने कहा कि 2000 के बाद से राज्य के जल क्षेत्र में 11 घातक शार्क हमले हुए हैं। उन्होंने शुक्रवार को बताया कि तथ्य यह है कि इनमें से तीन मौतें मई के बाद से हुईं, यह चौंकाने वाली बात है और चिंता का विषय है। इस साल दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में शार्क के हमलों में वृद्धि को समझाना मुश्किल है।

हाफिज सईद के प्रत्यर्पण के मूड में नहीं पाकिस्तान

भारत ने यूं ही नहीं चली चाल, बातचीत को गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। भारत ने मुंबई पर 26/11 को हुए आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को पाकिस्तान से मांगा है। भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान से कहा है कि वह हाफिज सईद का प्रत्यर्पण कर दे। लश्कर–ए–तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ एनआईए ने कई मामले दर्ज किए हैं। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि हाफिज सईद से कई मामलों में पूछताछ किया जाना है और ट्रायल में शामिल होना है, इसलिए वह लश्कर सरगना को सौंप दे। हाफिज सईद पर कश्मीर में आतंकी फंडिंग का भी मामला चल रहा है। भारतीय सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने अभी तक भारत के अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। भारत अब इसे फिर से पाकिस्तान से उठाने जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत ने पाकिस्तान से इस मौके पर हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की यह मांग यूं ही नहीं की है। दरअसल, पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में हाफिज सईद की पार्टी भी उतर रही है। हाफिज का बेटा भी लाहौर से चुनाव लड़ने जा रहा है। पाकिस्तान में होने वाले इस चुनाव में नवाज शरीफ का जीतना तय माना जा रहा है। नवाज शरीफ को पाकिस्तान के वर्तमान आर्मी चीफ असीम मुनीर का पूरा समर्थन हासिल है। इस बीच नवाज शरीफ लगातार भारत के साथ रिश्ते सुधारने की बात कर रहे हैं। यही नहीं वह पीएम मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यात्रा का भी जिक्र कर चुके हैं।

माना जा रहा है कि कंगाल हो चुका पाकिस्तान भारत में आम चुनाव के बाद एक बार फिर से बातचीत के लिए गिड़गिड़ा सकता है। भारत ने इसी को ध्यान में रखते हुए अब हाफिज सईद की मांग कर डाली है। भारत ने साफ कर दिया है कि अगर पाकिस्तान को बातचीत फिर से शुरू करना है तो उसे हाफिज सईद को नई दिल्ली को सौंपना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है और यही वजह है कि पाकिस्तान ऐसा करने से आसानी से बच जाता है। इससे पहले साल 2018 में भी भारत ने इसी तरह का अनुरोध पाकिस्तान से किया था।

भारत ने पाकिस्तान से मुंबई आतंकी हमलों की जांच में सहयोग के तहत हाफिज सईद को मांगा था। तब भी पाकिस्तान ने कोई जवाब नहीं दिया था। भारत ने कहा था कि मुंबई हमलों की प्लानिंग पाकिस्तान में रची गई थी और इसलिए इस्लामाबाद भारत को जांच में सहयोग करे। हाफिज सईद को संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी घोषित कर रखा है। पाकिस्तान हाफिज की देश में मौजूदगी को झुठला नहीं पा रहा है क्योंकि वह 11 साल जेल की सजा काट रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने भी हाफिज को आतंकी घोषित कर रखा है।

रूस ने सुखोई–57 फाइटर जेट का उत्पादन किया दोगुना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। यूक्रेन से जारी युद्ध के बीच रूस ने सुखोई–57 एयरक्राफ्ट का उत्पादन तेज कर दिया है। इसकी अहम कड़ी में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने 27 दिसंबर को पांचवीं पीढ़ी के Su–57 लड़ाकू विमानों का इस साल का अंतिम बैच रूसी रक्षा मंत्रालय को सौंप दिया है। एसयू–57 पांचवीं पीढ़ी का एक मल्टीरोल युद्ध विमान है। साल 2023 में, यूएसी ने अपनी एसयू–57 उत्पादन क्षमता को बढ़ाया और विमान के लिए अपनी संयोजन प्रक्रिया को बेहतर बनाया। इसने फाइनल असेंबली (संयोजन) शॉप में ही नहीं बल्कि पूरे प्रोडक्शन चक्र में बाधाओं को समाप्त किया है। रूस के उद्योग और व्यापार मंत्रालय ने रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव के हवाले से कहा है कि फाइनल असेंबली शॉप में लड़ाकू वाहनों पर पहले से ही काम चल रहा है, जिन्हें 2024 में रूसी एयरोस्पेस में स्थानांतरित किया जाएगा।

सेना में प्रवेश करने वाले पांचवीं पीढ़ी के इन विमानों की संख्या इस साल यानी 2024 में दोगुनी कर दी जाएगी। यूएसी और आरयूएमओडी ने 2027 तक रूसी एयरोस्पेस बलों को 76 एसयू–57 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अब इनके उत्पादन में तेजी लाई जा रही है। अब हर साल 15 विमान तैयार होंगे।

मुस्लिम देश में बन रहा अयोध्या जैसा भव्य मंदिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले साल 14 फरवरी को अबू धाबी में हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। मंदिर का निर्माण कर रही संस्था बीपीएस के स्वामी ईश्वरचरणदास और स्वामी ब्रह्म बिहारी दास ने नरेंद्र मोदी को मंदिर उद्घाटन के लिए निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में बन रहा ये पहला इतना बड़ा हिंदू मंदिर है। यह अयोध्या के मंदिर की तरह काफी भव्य और शानदार है। यह मंदिर करीब 55,000 वर्ग मीटर में बन रहा है और इसे भारतीय कारीगरों ने ही तराशा है। भारत और यूएई को बीच सद्भाव के प्रतीक के तौर पर इस मंदिर का निर्माण हो रहा है। इस मंदिर में कई खास बातें हैं। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई की अपनी यात्रा पर गए थे, तब इस मंदिर को लेकर चर्चा हुई थी।

हमास ने 7 अक्टूबर को महिलाओं के रेप कर काट डाले थे अंग, की थी बर्बर हत्याए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चश्मदीदों के आधार पर तैयार रिपोर्ट में दरिंदगी के सबूत

तेल अवीव। हमास के सात अक्टूबर को इजरायल में हुए हमले के दौरान महिलाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर यौन हिंसा की गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की नई रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अक्टूबर के आतंकवादी हमले में हमास लड़ाकों ने ना सिर्फ इजरायली महिलाओं के बलात्कार किया बल्कि उनके अंग–भंग भी किए। महिलाओं के खिलाफ ये एक पैटर्न उनकी ओर से पूरे हमले के दौरान देखने को मिला। करीब दो महीने में तैयार की गई ये रिपोर्ट इस खास पैटर्न की ओर इशारा करती है, जिसमें रेप के बाद महिलाओं के बर्बर तरीके से मारा गया।

सात अक्टूबर के हमले में रेप पीड़िता गुल अब्दुश की लाश सड़क किनारे बिना कपड़ों के मिली थी। गुल का चेहरा जलाया गया था और वह मुश्किल से पहचान में आ रही थी। इजरायली पुलिस ने एक वीडियो के आधार पर पाया कि गुल का रेप किया गया था। जांच में कम से कम सात ऐसी लोकेशन मिली, जिनके आधार पर पाया गया कि इजरायली महिलाओं का रेप कर उनके अंगों को काटा गया और बर्बरता से उनकी हत्या कर दी गई। न्यूयॉर्क टाइम्स ने करीब 150 लोगों से बात की है, जिनमें चश्मदीद, मेडिकल एक्सपर्ट, सैनिकों और रेप काउंसलर्स शामिल हैं। इस बातचीत से सामने आया कि सड़कों के किनारे महिलाओं के साथ ज्यादती हुई तो घरों में घुसकर भी उनको निशाना बनाया गया।

रिपोर्ट कहती है कि पुलिस और मेडिकल कर्मचारियों को कम से कम 30 ऐसी महिलाओं की लाशें मिलीं, जिनके शरीर पर कपड़े नहीं थे। सभी को निजी अंगों पर चोट लगी हुई थी। इतना ही नहीं इन लाशों के नाखूनों से जो सैंपल मिले, जो जाहिर करते हैं कि मौत से पहले इन्होंने खुद को बचाने की कोशिश की थी। कई चश्मदीदों ने भी इस बात को स्वीकारा है कि उन्होंने लड़ाकों को महिलाओं को उठाते देखा।

कोरोना के बाद जोंबी डियर डिजीज ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। कोरोना वायरस के नए वेरियंट के केस बढ़ने और चीन में निमोनिया जैसी बीमारी को लेकर दुनिया में चिंता है। इसी बीच अमेरिका में जोंबी डियर डिजीज का केस सामने आया है। अमेरिका के येलोस्टोन नेशनल पार्क में इस बीमारी के मामले का पता चला है। जिसके मनुष्यों में फैलने को लेकर भी मेडिकल एक्सपर्ट ने चिंता जताई है। इस बीमारी को वैज्ञानिक धीमी गति से चलने वाली आपदा कहते हैं। डॉक्टरों को अंदेशा है कि ये पूरे अमेरिका में फैल रहा है। येलोस्टोन नेशनल पार्क में इस बीमारी का केस मिलने के बाद चिंताएं इसलिए बढ़ी हैं क्योंकि इस घातक बीमारी का कोई इलाज नहीं है। यह बीमारी सबसे ज्यादा हिरण में होती है लेकिन अध्ययनों से पता चलता है कि यह मनुष्यों में भी फैल सकता है। इस बीमारी को क्रॉनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) भी कहा जाता है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सरकार हर वर्ग के लिए कर रही योजनाएं संचालित

ग्राम चौपाल

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने क्षेत्र की 14 समस्याएं कराई दर्ज

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। ग्राम पंचायत बामसू के पंचायत भवन में ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम के तहत ग्राम चौपाल कार्यक्रम प्र. जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। ग्राम चौपाल में ग्रामीणों द्वारा क्षेत्र की 14 समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें आवास, किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड, मनरेगा, गौशाला आदि से संबंधित समस्याएं दर्ज की गई।

सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को उपलब्ध हो तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से ''सरकार जनता के द्वार'' कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी के निर्देशन में शुक्रवार को विकासखंड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत ग्राम पंचायत में प्र. जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह की अध्यक्षता में पंचायत भवन बामसू

में ''ग्राम चौपाल कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा 14 समस्याएं दर्ज कराई गई। दर्ज समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत ग्राम चौपाल कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बामसू के गामीणों द्वारा ग्रेन डीलर द्वारा राशन कार्ड से प्रति यूनिट काटने की शिकायत दर्ज की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कि ग्रेन डीलर द्वारा 4 रुपए किग्रा चावल तथा 3 रुपए किग्रा गेहूं वितरण किया जा रहा है। जिसके विरुद्ध पर उन्होंने आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की। ग्रामीणों द्वारा किसान सम्मान निधि का पैसा खाते में न आने की शिकायत दर्ज की गई। श्रीमती वैशाखी देवी द्वारा आवास जीर्ण शीर्ण होने से उनके द्वारा प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की मांग की गई। श्रीमती कुंवरी देवी पत्नी दरवान सिंह द्वारा गौशाला की मांग की गई। रामदयाल आर्य पुत्र वैशाखू आर्य ने शिकायत दर्ज की कि उन्हें नया राशन कार्ड नहीं बनाया गया है। जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्यवाही की मांग की।

इस अवसर पर प्र. जिला सूचना अधिकारी रती लाल शाह ने सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को सभी योजनाओं का लाभ उपलब्ध हो तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित कर संचालित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है जिसका लाभ क्षेत्रवासियों को उपलब्ध हो सके।

न्यूज डायरी

व्यापक जागरूकता अभियान व शिविर किए जाएंगे आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद में विभिन्न विभागों द्वारा नालसा योजना, 2015 पर आधारित व्यापक जागरूकता अभियान व शिविर आयोजित किए जाएंगे। नालसा (नशीली दवाओं के दुरूपयोग के पीड़ितों के लिए कानूनी सेवाएं व नशीली दवाओं के दुरूपयोग के उन्मूलन) के सफल संचालन हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि आगामी 01 जनवरी से पुलिस विभाग सहित शिक्षा विभाग, समाज कल्याण व अन्य संबंधित विभागों द्वारा जनपद भर में नालसा योजना, 2015 पर आधारित व्यापक जागरूकता अभियान व शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जागरूकता अभियान व शिविर 01 जनवरी से 15 जनवरी, 2024 तक आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की अपील की है।

पुरोला में होगा एक सप्ताह का सैन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण

संवाददाता पुरोला। अटल आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज पुरोला में एनसीसी के जूनियर वर्ग व सीनियर वर्ग को एक सप्ताह का सैन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनसीसी अधिकारी कैप्टन विक्रम सिंह रावत ने बताया कि कॉलेज के जूनियर व सीनियर वर्ग 154 एनसीसी कैडिटों को भारतीय सैना के सूबेदार दिनेश नेगी व हवलदार नागेन्द्र द्वारा सैन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दे रहे है रावत ने बताया कि एक सप्ताह के प्रशिक्षण में कैडिटों को मानचित्र प्रशिक्षण,वैपन प्रशिक्षण व ड्रील प्रशिक्षण दिया जा रहा है प्रशिक्षण पा रहे सभी कैडिट उत्साहित है प्रधानाचार्य चतर सिंह चौहान ने कहा एनसीसी का प्रशिक्षण छात्रों को जीवन मे आने वाली कठिनाइयों का सामना करने की कला सिखाती है साथ एंनसीसी का प्रशिक्षण प्राप्त कैडिटों को सैना में जाने के लिए इच्छुक कैडिटों को प्रशिक्षण का लाभ मिलता है।

रविवार को परीक्षा केंद्रों में धारा–144 प्रभावी रहेगी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। आगामी रविवार (31 दिसंबर) को एकल सत्र में आयोजित होने वाली स्नातक स्तरीय (विभिन्न विभाग) के पदों के चयन हेतु जनपद के परीक्षा केंद्रों में धारा–144 प्रभावी रहेगी। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा उक्त बावत आदेश जारी किया गया है। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ने बताया कि सब डिविजन रुद्रप्रयाग के अंतर्गत स्नातक स्तरीय (विभिन्न विभाग) के पदों के चयन हेतु परीक्षा 04 केंद्रों में आयोजित की जानी है।

31 दिसंबर को विभिन्न पदों के लिए आयोजित होगी परीक्षा

संवाददाता चमोली। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 31 दिसंबर को स्नातक स्तरीय विभिन्न पदों के लिए परीक्षा होगी। चमोली में स्नातक स्तरीय परीक्षा के लिए सात परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। इन परीक्षा केन्द्रों पर 1688 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होगें। परीक्षा प्रातः 11 से 1:00 बजे तक आयोजित होगी। एग्जाम के दौरान परीक्षा कक्ष एवं कैम्पस में मोबाइल का इस्तेमाल न हो सके इसके लिए सभी कक्षों में जैमर लगाए जाएंगे।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने शुक्रवार को सभी नोडल अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। सभी केंद्रों पर परीक्षा से एक दिन पूर्व ब्रीफिंग की जाए और अभ्यर्थियों के बैठने के लिए सीटिंग प्लान तैयार किया जाए। परीक्षा केन्द्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।

पुलिस को परीक्षा के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा टीमों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए है। अपर जिलाधिकारी ने नियुक्त सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन करते हुए आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप परीक्षा को संपन्न कराने के निर्देश दिए।

सेब के बगीचों का अनुदान न मिलने से काश्तकारों ने ज्ञापन सौंपा

संवाददाता पुरोला। विकासखण्ड पुरोला के काश्तकारों द्वारा एप्पल मिशन के तहत लगाए गए सेब के बगीचों का अनुदान न मिलने से आहत काश्तकारों ने राज्यमंत्री बागवानी विकास परिषद के उपाध्यक्ष से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। काश्तकारों ने ज्ञापन में मांग की है कि उद्यान विभाग द्वारा पुरोला विधानसभा में लगभग 150 बगीचे 'एप्पल मिशन' के तहत स्वीकृत किए गए थे। जिसमें सरकार द्वारा 80 प्रतिशत सब्सिडी एवं 20 प्रतिशत काश्तकार द्वारा जमा किया गया उद्यान विभाग द्वारा प्रत्येक बागवान को 3 लाख का भुगतान किया जाना था लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी काश्तकारों का अभी तक भुगतान नहीं हुआ है । काश्तकारों का कहना है कि क्षेत्र के किसानों ने बैंक से कर्ज लेकर 3 लाख की व्यवस्था कर बगीचा तैयार किया लेकिन विभाग द्वारा भुगतान न होने पर काश्तकार परेशान हैं। कुछ काश्तकारों ने "प्दकव क्नजबी" कंपनी द्वारा बगीचे लगाए हैं।

आस्था का उमड़ा सैलाब, केदारनाथ धाम में यात्रा के सभी रिकार्ड टूटे

संवाददाता रुद्रप्रयाग। वर्ष 2023 कई मायनों में रुद्रप्रयाग जनपद के लिए खास रहा। जहां एक ओर श्री केदारनाथ धाम यात्रा ने नया रिकॉर्ड कायम किया वहीं यात्रा से सीधे तौर पर स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार का मौका मिला। खासतौर पर जनपद में महिलाओं की आजीविका सुधार में केदारनाथ यात्रा की अहम भूमिका रही। यह वर्ष स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शिक्षा दोनों के हिसाब से भी शानदार रहा क्योंकि राज्य सरकार के अथक प्रयासों के बाद जनपद में करीब 21 करोड़ की लागत से नर्सिंग कॉलेज तैयार होने जा रहा है वहीं गंभीर बीमारी एवं आपातकाल मरीजों के लिए

'रुद्रप्रयाग को कई उपलब्धियां और सौगात दे गया वर्ष 2023'

क्रिटिकल केयर सेंटर का निर्माण भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी के अथक प्रयासों से विश्वस्तरीय इनवेस्टर समिट का प्रभाव भी जिले में बखूबी देखने को मिला। वहीं किसानों एवं काश्तकारों की आजीविका सुधार, चोपता घाटी में इको पार्क निर्माण से लेकर कई अन्य उपलब्धियां भी जनपद के हिस्से आयी। ऐसी कुछ खास एवं महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हम आपके साथ साझा करने जा रहे हैं।

प्रदेश में चारधाम यात्रा हर वर्ष नए रिकार्ड बनाती जा रही है। चारधाम यात्रा के महत्वपूर्ण धामों में शामिल 11वें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम ने सभी पुराने रिकार्ड तोड़कर नया कीर्तिमान कायम किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने जनपद को नर्सिंग कॉलेज की सौगात दी है। 20 करोड़ 44 लाख 16 हजार की लागत से विकास खंड अगस्त्यमुनि के कोठगी में बनने जा रहे नर्सिंग कॉलेज का भूमि पूजन एवं शिलान्यास में मुख्यमंत्री ने स्वयं शिरकत की थी। कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज के बनने से यहां के बच्चों को नर्सिंग की पढ़ाई में लाभ मिलेगा एवं उन्हें अंयत्र नहीं जाना पड़ेगा। वहीं कॉलेज खुलने से क्षेत्रीय विकास को रफ्तार मिलेगी एवं रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

नन्हे मुन्ने बच्चों के सासंस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

संवाददाता पुरोला। श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल के वार्षिक उत्सव में छात्र–छात्राओं की रवांई,जौनसारी, जौनपुरी,गढ़वाली सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति पर छात्र–छात्राएं खूब थिरके व दर्शकों ने खूब मनोरंजन किया।

समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी अजीत भंडारी एवं प्राचार्य उतम सिंह चौहान ने जिला व खंड स्तरीय खो–खो,फुटबॉल व बैडमिंटन के अबल टीम व छात्र व छात्राओं को पुरस्कृत बांटते हुए अभिभावकों,अध्यापकों से छात्रों में पढ़ाई के साथ––साथ घर व स्कूलों में देश भक्ति समेत मांता पिता के प्रति संस्कार व सम्मान की भावनाएं जगानें का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत प्रमुख रीता पंवार ने देशभर व खास कर उतराखंड के दूरदराज एवं पहाड़ी इलाकों में शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर संस्कारित शिक्षा के माध्यम से समर्पित नागरिक तैयार करने की अलख जगानें को श्री गुरूराम राय स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका बताया।

संसद का मौन

कुल मिलाकर हालत यह बनी है कि संसद में हंगामा और शोर तो बहुत है, लेकिन इस अहम मसले पर उसके सामूहिक विवेक की कोई ऐसी आवाज नहीं आ रही जो देशवासियों के अलग–अलग हिस्सों में उभरते असमंजस को दूर कर सकती थी।

अनुज सनवाल।।

संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को हुई सुरक्षा चूक पर पक्ष–विपक्ष का जो रुख देखने को मिल रहा है, वह निराश करने वाला है। हालांकि इस बात को लेकर हर पक्ष में सहमति है कि जिस तरह की चूक हुई है वह काफी गंभीर है लेकिन इसके बावजूद देश की संसद इस मसले से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा नहीं कर पा रही।

जब दर्शक दीर्घा से दो युवक सदन में कूदे और उन्होंने धुआं फैलाकर वहां अफरा तफरी मचा दी, उस समय सदन में पक्ष–विपक्ष का कोई भेद नहीं दिखा। न सिर्फ दोनों युवकों को पकड़कर सुरक्षाकर्मियों के हवाले करने में विपक्षी सांसद आगे रहे, बल्कि घटना के बाद उसका ब्योरा देने और मीडिया के जरिए देश के सामने पूरी स्थिति रखने में भी दोनों पक्षों में सामंजस्य दिखा। इससे यह उम्मीद पैदा हुई कि हमारी संसद इस महत्वपूर्ण घटना से निपटने में पूरी एकजुटता दिखाएगी और सामान्य राजनीतिक मतभेदों को मुद्दा नहीं बनने दिया जाएगा।

मगर शाम होते–होते यह स्थिति बदल गई। पार्टी लाइन के हिसाब से रिएक्शन आने लगे। मुद्दा संसद की सुरक्षा में हुई चूक का था, लेकिन कई विपक्षी सांसद इसे नए संसद भवन से जोड़कर देखने लगे और पुराने आरोप–प्रत्यारोप दोहराए जाने लगे।

यह सिलसिला अगले दिन और तेज हुआ जब विपक्ष गृहमंत्री के बयान की मांग पर अड़ते हुए हंगामे पर उतर आया। सत्तापक्ष की ओर से भी इसका जवाब कड़ी कार्रवाई के रूप में दिया गया। हालांकि कहने को बातचीत के प्रस्ताव भी दिए गए और मनाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन ये बेनतीजा रहीं। नतीजा विपक्ष के 14 सांसदों के निलंबन के रूप में सामने आया।

कुल मिलाकर हालत यह बनी है कि संसद में हंगामा और शोर तो बहुत है, लेकिन इस अहम मसले पर उसके सामूहिक विवेक की कोई ऐसी आवाज नहीं आ रही जो देशवासियों के अलग–अलग हिस्सों में उभरते असमंजस को दूर कर सकती थी। समझना होगा कि भारतीय लोकतंत्र के लिए ये बड़े नाजुक पल हैं। घटना ऐसे समय हुई है जब विदेशी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी तत्वों की ओर से संसद पर हमले की चेतावनी दे दी गई थी। भले संसद में घुसे इन युवकों का पहली नजर में उन तत्वों से कोई रिश्ता न दिख रहा हो, पर जांच एजेंसियों की ओर से अभी उन्हें क्लीन चिट नहीं मिली है। ऐसे में पक्ष–विपक्ष का एक–दूसरे पर दोषारोपण करना बेमानी है। दोनों ही पक्षों को संकीर्ण राजनीति के तकाजों से ऊपर उठते हुए संसद के अंदर स्वस्थ चर्चा सुनिश्चित करनी चाहिए।

जलंधर का रूप

अशोक वोहरा। सबने भगवान से प्रार्थना की तो भगवान कहने लगे कि–वृंदा मेरी परम भक्त है मैं उसके साथ छल नहीं कर सकता पर देवता बोले भगवान दूसरा कोई उपाय भी तो नहीं है अब आप ही हमारी मदद कर सकते हैं। भगवान ने जलंधर का ही रूप रखा और वृंदा के महल में पहुंच गए जैसे ही वृंदा ने अपने पति को देखा,वे तुरंत पूजा में से उठ गई और उनके चरण छू लिए इस तरहा से पूजा से हटने की वजह से वृंदा का संकल्प टूट गया, और उधर युद्ध में देवताओं ने जलंधर को मार दिया और उसका सिर काटकर अलग कर दिया। उनका सिर वृंदा के महल में गिरा जब वृंदा ने देखा कि मेरे पति का सिर तो कटा पड़ा है तो फिर ये जो मेरे सामने खड़े है ये कौन है? उन्होंने पूछा दृ आप कौन हैं जिसका स्पर्श मैंने किया,तब भगवान अपने रूप में आ गए पर वे कुछ ना बोल सके,वृंदा सारी बात समझ गई।

संपादकीय

एक नई मुसीबत

अफगानिस्तान पहले से ही खाने–पीने के सामनों की किल्लत से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय मदद के बावजूद वहां भुखमरी की बातें सामने आई हैं। कुछ समय पहले आए भूकंप ने भी वहां इस त्रासदी को बढ़ाया है। ऐसे में पाकिस्तान से लौटने वाले शरणार्थियों की वजह से उसकी मुश्किलें और बढ़ेंगी। रोजाना लगभग 9,000–10,000 शरणार्थी सीमित सामान और नकदी के साथ ट्रकों में बैठकर अफगानिस्तान आ रहे हैं। हालांकि तालिबान ने भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ राहत कैंप बनाने का दावा किया है, लेकिन इसे लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। कुछ शरणार्थियों को तालिबान की ओर से जवाबी कार्रवाई का भी खतरा है। तालिबान ने इन फैसलों को 'एकतरफा', 'अनुचित' और 'अमानवीय' बताया है और पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। जाहिर है, इससे क्षेत्र में मानवीय स्थिति और खराब हो जाएगी। अफगान शरणार्थी असहज स्थिति में पड़ गए हैं। पाकिस्तान में उनके हालात पहले से ही अच्छे नहीं थे। अफगान लौटने के लिए मजबूर होने या पाकिस्तान में हिरासत में लिए जाने के जोखिम ने उनकी मुसीबत बढ़ा दी है।

काबुल पर तालिबान के कब्जे के दो साल के अंदर पाकिस्तान को अफगानिस्तान की ओर से सुरक्षा या रणनीतिक फायदा मिलने की उम्मीद खत्म हो चुकी है।

खाली हाथ पाकिस्तान

हर्ष वी. पंत।।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रिश्ते पहले ही उलझे हुए थे, मगर पिछले कुछ महीनों में ये रसातल में चले गए हैं। अक्टूबर में पाकिस्तान ने कहा कि जो लोग वैध दस्तावेजों के बगैर रह रहे हैं, वे खुद लौट जाएं। अगर वे नहीं जाते हैं तो 1 नवंबर के बाद उन्हें जबरन अपने–अपने देश भेजा जाएगा। पाकिस्तान में अवैध रूप से रहने वालों में सबसे ज्यादा अफगानी ही हैं। इस फैसले के पीछे इस्लामाबाद ने जो मजबूत इरादा दिखाया, वह अभूतपूर्व था। बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान ने सिर्फ यही फैसला नहीं लिया। इसके साथ ही उसने तस्करी बैन करने के लिए अफगान ट्रांजिट व्यापार समझौते पर भी प्रतिबंध लगा दिया। काबुल पर तालिबान के कब्जे के दो साल के अंदर पाकिस्तान को अफगानिस्तान की ओर से सुरक्षा या रणनीतिक फायदा मिलने की उम्मीद खत्म हो चुकी है।

अगस्त 2021 से ही तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान पाकिस्तान को टारगेट कर रहा है। 2022 में टीटीपी कुल 262 आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था। अगस्त 2021 से हुए आतंकी हमलों में 2867 पाकिस्तानी मारे गए हैं। टीटीपी और पाकिस्तानी सेना के बीच झड़पें भी बढ़ गई हैं। टीटीपी अफगानी तालिबान का वफादार है। वह करीब डेढ़ दशक से पाकिस्तान के खिलाफ

युद्ध लड़ रहा है। दोहा में शांति समझौते के बाद 2020 में उसने फिर सिर उठाया। तबसे पाकिस्तान में इसकी हरकतें कई गुना बढ़ गई हैं। दरअसल, टीटीपी से अपने मजबूत ऐतिहासिक और वैचारिक समानता के चलते तालिबान उसे नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकता।

तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद टीटीपी और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता के प्रयास किए, लेकिन इनका कोई फल नहीं निकला। तालिबान ने टीटीपीके हमलों में किसी तरह की भागीदारी से इनकार किया। उसने टीटीपी को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या कहा। कुछ महीनों से पाकिस्तान में सीमा पार हमले काफी बढ़े हैं। इस्लामिक देशों के नेता पाकिस्तान की चिंता को दूर करने और सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, पर पाकिस्तान का रुख सख्त बना हुआ है। अक्टूबर में एक सीनियर पाकिस्तानी डिप्लोमैट ने यह भी बताया कि कैसे अफगानिस्तान में शांति आने से पाकिस्तान को इसका कोई फायदा नहीं मिला।

पाकिस्तान के अंतरिम प्रधानमंत्री ने दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत पर इस्लामिक अमीरात के कार्यवाहक प्रधानमंत्री को भी लिखा, और दोहा समझौते के उल्लंघन के बावजूद टीटीपी को मिल रहे तालिबानी समर्थन पर विचार करने की अपील की। शरणार्थियों की जबरन वापसी का फैसला तालिबान को कार्रवाई के लिए पाकिस्तान की ओर से दिया गया आखिरी मौका माना जा रहा है।

सुडोकु नवताल- 5346

*****

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकु नवताल -5345 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

अपना ब्लॉग

टीटीपी या पाकिस्तान

मोहन। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने तालिबान को उनके और टीटीपी के बीच किसी एक को चुनने का ऑप्शन दिया है। जैसे–जैसे पाक तालिबान पर टीटीपी और बाकी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रेशर बढ़ा रहा है, उसकी दोहरी नीति ही उसे दिक्कत देने लगी है। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि वह खुद भी अभी तक चरमपंथी संगठनों का समर्थन करता रहा है। जाहिर है, शरणार्थियों के निकाले जाने का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और अफगान आबादी में पाकिस्तान के बारे में और भी नकारात्मक धारणाएं बनेंगी। पाकिस्तान में 40 लाख विदेशियों में से लगभग 38 लाख अफगानी हैं। इनमें से लगभग 17 लाख अवैध रूप से देश में रह रहे हैं। ताजा फैसले का ऐलान करते हुए पाकिस्तान के गृहमंत्री ने 2023 में देश में हुए 24 आत्मघाती बम विस्फोटों में 14 अफगान नागरिकों की भूमिका बताई। पाकिस्तानी पीएम ने फैसले को अफगान तालिबान के असहयोग से भी जोड़ा। पाकिस्तान ने व्यापार की सुविधा को आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई से जोड़ने की भी कोशिश की है।

रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं नई मिसेज सोढ़ी

एक्ट्रेस मोनाज मेवावाला ने कुछ समय पहले श्तारक मेहता का उल्टा चश्माश में एंट्री की थी। वह शो में नई मिसेज सोढ़ी यानी रोशन भाभी बनी हैं। उनसे पहले यह किरदार जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल निभा रही थीं। मोनाज मेवावाला ने जब से श्तारक मेहताश में एंट्री की है, तबसे वह लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। शो में वह एकदम ट्रेडिशन किरदार में हैं, लेकिन असल जिंदगी में काफी ग्लैमरस हैं। उनकी खूबसूरत तस्वीरें देखेंगे तो गच्चा खा जाएंगे। मोनाज मेवावाला इंस्टाग्राम पर एक्टिव हैं, और अपनी हसीन तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हर तस्वीर में उनकी अदाएं ऐसी हैं कि देखकर कोई भी दिल हार बैठे। फैंस भी तभी उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हालांकि इंस्टाग्राम पर उनके अभी तक 18के फॉलोअर्स हैं। मोनाज मेवावाला का इंस्टाग्राम अकाउंट देखेंगे, तो उन्होंने अपने देसी अवतार के अलावा कई ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह वेस्टर्न आउटफिट्स में अलग–अलग स्टाइल में पोज देती नजर आ रही हैं। मोनाज मेवावाला सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि डांसर और एंकर भी हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा कई गुजराती टीवी शोज में भी काम किया है। वह द ग्रेट इंडियन कॉमेडी शो, श्मीत मिला दे रब्बा, अर्धांगिनी एक खूबसूरत जीवन साथी और झिलमिल सितारों का आंगन होगा में भी नजर आईं। मोनाज मेवावाला ने 2004 में टीवी शो किट्टी पार्टी से डेब्यू किया था।

रामगोपाल वर्मा का सिर काटकर लाने वाले को 1 करोड़ का इनाम

अपनी फिल्म व्यूहम के कारण विवादों का सामना कर रहे डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा ने सामाजिक कार्यकर्ता कोलिकापुडी श्रीनिवास के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। दरअसल कोलिकापुडी श्रीनिवास ने रामगोपाल वर्मा के सिर पर एक करोड़ रुपये का ऐलान किया है। हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान ऐलान किया था कि रामगोपाल वर्मा का सिर काटकर लाने वाले को 1 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस संबंध में रामगोपाल वर्मा ने मंगलवार, 26 दिसंबर को ऑनलाइन शिकायत की थी। इसके बाद वह 27 दिसंबर को विजयवाड़ा में पुलिस महानिदेशक के दफ्तर पहुंचे और कोलिकापुडी श्रीनिवास के खिलाफ लिखित में शिकायत की। पूरा मामला क्या है, आइए जानते हैं। मालूम हो कि कोलिकापुडी श्रीनिवास ने रामगोपाल वर्मा की फिल्म टलववींउ से आहत होकर उनके सिर पर एक करोड़ का इनाम रखा। कोलिकापुडी श्रीनिवास ने यह ऐलान किया था।

विजयकांत का राजकीय सम्मान से होगा अंतिम संस्कार

गुरुवार को मशहूर एक्टर और दिग्गज राजनेता विजयकांत का निधन हो गया। 71 साल के विजयकांत कोरोना इंफेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डीएमडीके पार्टी के संस्थापक–नेता विजयकांत का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किए जाने का ऐलान किया। वहीं, एक्टर के निधन पर सोनू सूद से लेकर जूनियर एनटीआर समेत तमाम सितारों ने दुख जताया है। गुजरे जमाने के लोकप्रिय तमिल एक्टर विजयकांत का चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया। एक्टर के गुजरने की खबर मिलते ही उनके फैंस और समर्थक घर के बाहर पहुंच गए। सोशल मीडिया पर तमाम वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं जहां एक्टर के घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं की भीड़ दिख रही है। आआरआर एक्टर जूनियर एनटीआर ने विजयकांत के निधन पर ट्वीट करके शोक जताया है। उन्होंने लिखा, श्विजयकांत भाई के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। सिनेमा और राजनीति दोनों में एक सच्चा पावरहाउस। उनकी आत्मा को शांति मिले। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हिंदी से लेकर साउथ फिल्मों में काम कर चुके सोनू सूद ने ट्वीट किया, श्कल्लाजगरश मेरी अब तक की पहली फिल्म थी, जो महान विजयकांत सर की ओर से एक गिफ्ट थी।

करीना की बातों से शर्मिला को लगी थी सैफ संग लिव इन में रहने की भनक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सैफ अली खान इस वक्त फिल्मी गलियारों में खूब पढ़ने को मिल रहे हैं। दरअसल उनकी फिल्मों से अधिक इस वक्त एक्चर की पर्सनल लाइफ ने जोर पकड़ रखा है। सैफ ने खुद अपनी पुरानी और अब के जिंदगी को लेकर काफी सारी बातें कह डाली हैं। मां शर्मिला टौगोर भी करण जौहर के इस शो कॉफी विद करण 8 में बेटे के साथ नजर आईं और उन्होंने भी उनकी लाइफ से जुड़े कुछ ऐसे किस्से सुनाए जो अब तक अनसुने थे। उन्होंने जहां सैफ की पहली शादी पर अपने रिएक्शन के बारे में बताया वहीं ये भी बताया कि उन्हें ये कब पता लगा कि सैफ और करीना लिव इन में रह रहे। इन सबके अलावा इसी शो में करीना ने भी अपनी सासु मां को लेकर कुछ बातें कही हैं।

मां ने सुनाया- अपने लिव इन का किस्सा

शर्मिला ने उन दिनों का किस्सा सुनाया और बताया कि एक बार वह करीना से मिलने दिल्ली आई थीं। उस वक्त वह अपने दोस्तों के साथ बैठी हुई थीं। करीना ने बातों–बातों में कुछ ऐसा कहा जिससे उन्हें पता लग गया कि दोनों लिव इन में रह रहे हैं। करीना ने बातें करते हुए एक लाइन बोल गईं और कहा– जब सैफ उठे आज सुबह...। इसी से उन्हें पता लगा कि दोनों साथ रह रहे हैं। शर्मिला ने ये भी कहा कि वह भी टाइगर पटौदी संग लिव इन में रह चुकी थीं, लेकिन उन्होंने कभी किसी से इसका जिक्र नहीं किया और ये बात उन्होंने छिपाकर रखी थी।

शर्मिला ने की करीना की जमकर तारीफ

शर्मिला ने कहा कि उन्हें करीना की सादगी बेहद पसंद है। शर्मिला ने करीना की जमकर तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि करीना को मैं पहले से जानती हूं और वो मुझे काफी अच्छी लगती हैं। शर्मिला ने बताया कि जब टाइगर बीमार थे तब भी करीना परिवार के साथ खड़ी थीं और जब टाइगर का निधन हुआ तब भी वह साथ खड़ी रहीं।

करीना ने सैफ को बताया अपना पूरा ब्रह्मांड

वहीं इस शो में करीना कपूर का एक वीडियो क्लिप दिखाया गया जिसमें वह सैफ अली खान और सासु मां शर्मिला की तारीफ कर रही हैं। करीना ने कहा– सैफ मेरे लिए मेरा पूरा अस्तित्व हैं, वह मेरा पूरा ब्रह्मांड की तरह हैं। मेरी पूरी जिंदगी सैफ के इर्द–गिर्द घूमती है और जब भी मैं उनके बारे में बात करता हूं तो मेरी आंखें भर आती हैं क्योंकि वो मेरी लाइफ है।श

करीना ने सुनाई लद्दाख में उस मुलाकात की कहानी

उन्होंने बताया कि एक बार वो लद्दाख में एक मेकअप वैनिटी वैन के ऊपर बैठे थे और तब उन्होंने टी–शर्ट भी नहीं पहन रखी थी।करीना ने कहा, श्मैंने सोचा कि वो कौन है जो वैनिटी वैन के ऊपर बैठा है? और वे थे सैफ, मैंने करीब से देखा और मुझे ऐसा लगा– हे भगवान, ये सैफ हैं।श उन्होंने बताया कि यही वो पल था जब मैं अपना दिल उनपर हार बैठी।

करीना ने कहा- सासु मां को क्यों पुकारती हैं अम्मा

करीना ने सास शर्मिला टैगोर की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जब से वह सैफ से मिली हैं तब से वह उन्हें श्अम्माश कहकर ही पुकारती हैं। बेबो ने कहा– मैं उन्हें अम्मा कहती हूं क्योंकि मैं सच में उनके लिए जुड़ाव और प्यार महसूस करती हूं, क्योंकि वह हमेशा से इतनी देखभाल करने वाली रही हैं। करीना ने कहा कि वह उन्हें बेटी की तरह मानती हैं जैसी सोहा और सबा है।

सैफ अली खान ने बताया बेटे इब्राहिम के लिए चाहिए कैसी लड़की

करण जौहर के पॉप्युलर शो श्कॉफी विद करणश के सीजन 8 में मां–बेटे की जोड़ी शर्मिला टैगोर और सैफ अली खान ने काफी एंटरटेन किया है। दुनिया के सामने इन्होंने सिर्फ प्रफेशनल ही नहीं बल्कि पर्सनल किस्से भी सुनाए, जिसके बारे में लोगों को अब तक कुछ भी नहीं पता था। अब इस एपिसोड को लेकर खूब सारी चर्चा इंटरनेट पर हो रही है। जहां मां–बेटे ने सैफ की पहली शादी अमृता से रिश्ते बनने और बिगड़ने की कहानी सुनाई, वहीं दूसरी पत्नी करीना कपूर के बारे में भी काफी कुछ कहा है। इसी एपिसोड में सैफ अली खान ने अपने बेटों को लेकर कुछ बातें कही हैं और बताया कि उन्हें अपने बेटे को लिए कैसी लड़की चाहिए।

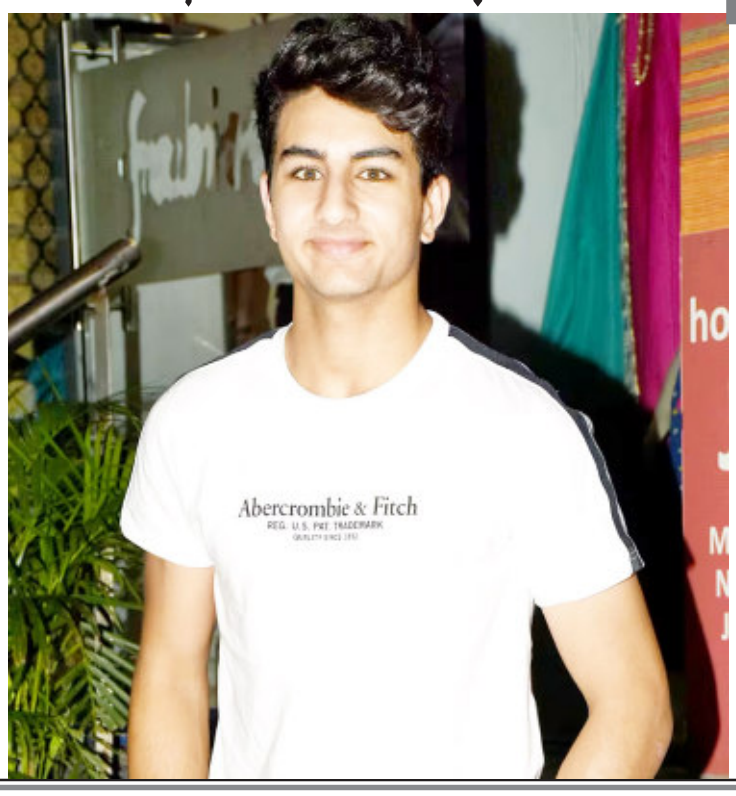

पेट में घुसकर सितारों से उनके अंदर के दबे राज निकलवाने वाले करण जौहर ने इस बार भी कुछ ऐसा ही किया। सैफ अली खान ने अपनी लाइफ के कई ऐसे किस्से सुनाए जिसके बारे में बहुत सारे लोगों को पता भी नहीं था। इसी दौरान करण ने उनसे बेटे को लेकर एक सवाल किया। करण ने पूछा कि अगर कोई लड़की आपके बेटे इब्राहिम को अप्रोच करना चाहे तो आपके हिसाब से क्या क्राइटेरिया होगा। सैफ ने झट से कहा– मेरे क्राइटेरिया से कोई फर्क नहीं पड़ता, कोई नहीं सुनने वाला है।

सैफ ने बताया एक क्राइटेरिया

हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि फिर भी वह कुछ सलाह देना चाहेंगे? तो सैफ ने एक क्राइटेरिया बताई और कहा– लड़की बस सिंगल होनी चाहिए। सैफ का जवाब सुनकर करण के साथ–साथ मां शर्मिला भी मुस्कुराने लगीं। हालांकि, सैफ यहीं नहीं रुके और उन्होंने अपने दोनों छोटे बेटों के लिए भी कुछ बातें कहीं।

छोटे बेटों को लेकर कही ऐसी बात कि हसं पड़ीं शर्मिला टैगोर

सैफ ने कहा कि अगर कोई लड़की मेरे छोटे बेटों को अप्रोच करना चाहे तो उन्हें जेल भेज देना चाहिए। सैफ की ये बात सुनकर उनकी मां और करण जौहर दोनों जोर से हंस पड़े। इसी एपिसोड में सैफ ने करीना की भी काफी तारीफ की। सैफ ने कहा कि करीना की वजह से उनके यहां का टाइम मैनेजमेंट सही है और वो हेल्थ, एक्सरसाइज जैसी चीजों पर ध्यान दे पाते हैं। उन्होंने बताया कि करीना की वजह से उनकी लाइफ में पॉजिटिविटी रहती है।

प्रदूषण बढ़ने से बिगड़ रहा चेहरे का हाल, तो लगाएं चारकोल

प्रदूषण इतना ज्यादा बढ़ गया है कि यह अब हमारी स्किन को प्रभावित करने लगा है। स्किन को सुरक्षित रखने के लिए आप चारकोल मास्क का उपयोग कर सकती हैं। यह फेस मास्क ऑयली स्किन वाली लड़कियों के लिए बेस्ट है। चारकोल मास्क त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही सूरज की हानिकारक किरणों के साइड इफेक्ट से भी बचाता है और इससे चेहरा नेचुरल ग्लो करने लगता है।

ऑयली त्वचा के लिए बेस्ट

चारकोल फेस मास्क में किसी भी तरह का हानिकारक केमिकल नहीं होता है। ऑयली स्किन के लिए यह बेस्ट है। बाकी हर तरह की स्किन पर भी यह सूट करता है।

रात को सोने से पहले

आपकी स्किन नॉर्मल हो या ड्राई, हफ्ते में दो बार चारकोल बेस्ड मास्क लगाना काफी है। चेहरा धोने के बाद भी इसका असर कई घंटों तक स्किन पर बना रहता है, इसलिए रात को लगाना इसे फायदेमंद माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसटिव है या आपको लगता है कि चारकोल मास्क का उपयोग करने के बाद आपकी त्वचा ड्राई महसूस होती है, तो सप्ताह में एक बार लगाना ही आपके लिए काफी है। ऑयली स्किन वाले रात को सोने से पहले चारकोल बेस्ड फेसवॉश से चेहरे को साफ कर सकते हैं।

खासियत

चारकोल मास्क में कई जरूरी तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा की गहराई में मौजूद गंदगी को साफ करते हैं। इस मास्क को खासतौर पर त्वचा को डीप क्लीन करने के मकसद से ही तैयार किया जाता है। आपके माथे और नाक पर ब्लैकहेड्स की दिक्कत है, तो भी आपके लिए यह मास्क बेस्ट है।

चारकोल फेस मास्क आपकी त्वचा को अतिरिक्त सीबम, बंद रोमछिद्रों और मृत त्वचा निर्माण जैसे मुंहासे पैदा करने वाले तत्वों से छुटकारा दिलाता है। अगर आप चारकोल पील–ऑफ मास्क का सही तरीके से उपयोग करना जानते हैं, तो यह पिंपल्स के आकार को कम कर स्वैलिंग कम करता है और निशान आने से रोकता है।

लगाने का तरीका

सबसे पहले आप अपने चेहरे को अच्छी तरह धो कर पोंछ लें। अब इस मास्क को अपने फेस पर तकरीबन 30 मिनट के लिए लगा लें। जब यह सूख जाए, तो चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। सामान्य त्वचा पर आप इसे रोज भी लगा सकती हैं।

दिल तक जाने वाले खून का रास्ता साफ करती हैं देसी चीजें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

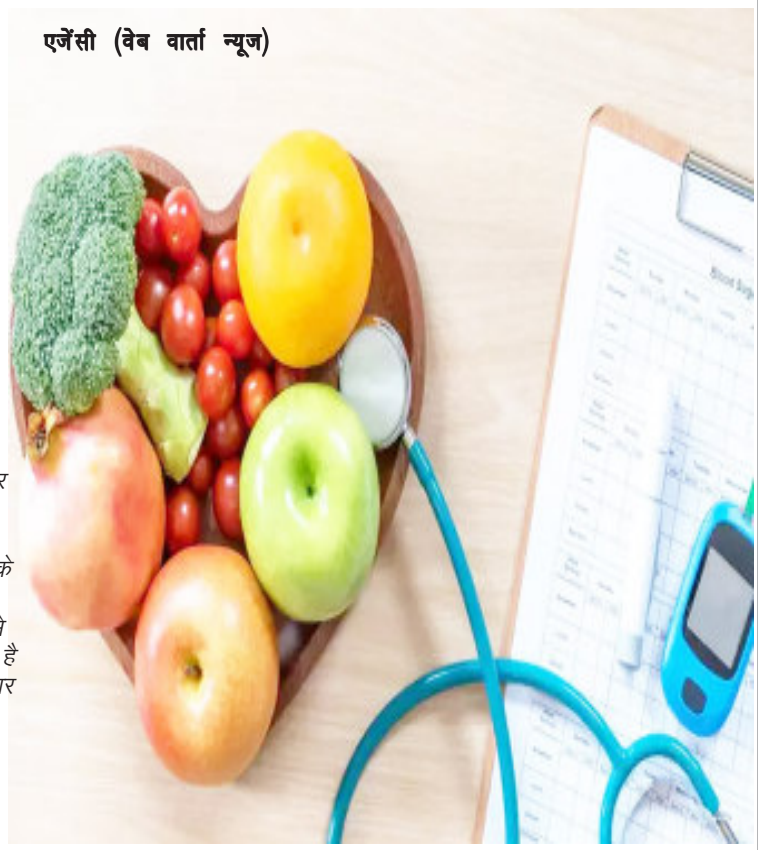

खून में सारे पोषक तत्व और पानी होता है जो किडनी, दिमाग, लिवर या हर किसी को एनर्जी, फ्यूल और हाइड्रेशन देता है। शरीर में मौजूद नसों के जाल से यह गुजरता है और ऑक्सीजन लेने के लिए दिल तक पहुंचता है और फिर वहां से ऑक्सीजन लेकर फिर से ट्रेवल करना शुरू कर देता है। आजकल खून को ट्रेवल करने के लिए कई सारी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। अगर आपको हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है तो यह खून को दिल तक पहुंचने से रोक सकती है। गंदा कोलेस्ट्रॉल नसों की दीवारों पर चिपक जाता है और खून को निकलने के लिए बहुत कम रास्ता मिलता है। कई बार तो यह पूरी तरह नस बंद कर देता है और हार्ट अटैक आ सकता है। अगर इस समस्या से बचना चाहते हैं तो कुछ देसी चीजों का उपयोग करना शुरू कर दें।

कोलेस्ट्रॉल के दुश्मन हैं ये आयुर्वेदिक उपाय

आयुर्वेद में मेदोवृद्धि या मेदोदुष्टि का वर्णन मिलता है जो हाई कोलेस्ट्रॉल से मिलता है। इसे कम करने के लिए कई सारे विभिन्न तरीकों के साथ कुछ आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल किया जाता है। एनसीबीआई पर मौजूद शोध में इनका नाम बताया गया है। आप लहसुन, गुग्गुल और अर्जुन की छाल का उपयोग करके गंदे एलडीएल को कंट्रोल कर सकते हैं।

इनके साथ मिलाई जाती हैं ये चीजें

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि इन औषधियों का उपयोग अकेले नहीं किया जाता। इनका असर बढ़ाने के लिए इन्हें दूसरे घरेलू खाद्य पदार्थों और जड़ी बूटियों के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है। इनमें हल्दी, अदरक, शिलाजीत, पुनर्नवा, कलौंजी और त्रिफला को मिक्स करके सेवन किया जाता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल में ऐसी होनी चाहिए डाइट

आयुर्वेद में कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए औषधियों के साथ खानपान पर ध्यान देने पर जोर दिया जाता है। अगर आपके खाने में ज्यादा फैट और कैलोरी होंगी तो कोई दवा या उपाय अपना असर नहीं दिखा पाएगा। डाइट में लो फैट, फ्रूट, हरी सब्जी, फाइबर फूड को शामिल करना ना भूलें।

योग और प्राणायाम

शोध बताता है कि शरीर को सारे गंदे पदार्थों से दूर रखने के लिए लाइफस्टाइल में योग और प्राणायाम होने चाहिए। यह दिमाग को शांत करते हैं और इसका असर नसों और ब्लड सर्कुलेशन पर दिखता है। यह ब्लड प्रेशर को मैनेज रखता है और हार्ट अटैक का खतरा कई गुना कम कर देता है।

इन लक्षणों पर रखें नजर

छोटी–छोटी समस्याएं हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हो सकती हैं। नसों में सुन्नपन, आंखों के आसपास पीला उभार, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, नसों में अकड़न, सीने में दर्द रहना, फैट की गांठ बनना, सांस फूलना, थकान जैसी दिक्कतें दूसरी समस्याओं के अलावा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के संकेत भी दे सकते हैं।

सर्दी में उतरते जा रहे हैं सिर के बाल तो नहाते हुए करें ये काम

सर्दी के मौसम में कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। जैसे त्वचा में रूखापन, खुजली, दाद–खाज, त्वचा में सफेदी आदि। साथ ही, शरीर में नमी की कमी के कारण बाल झड़ने, डैंड्रफ आदि की दिक्कत भी होती है। इन समस्याओं से बचाव के लिए गुनगुने नमक के पानी से नहाना आपकी काफी मदद कर सकता है। अगर रोजाना गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक मिलाकर नहाया जाए, तो इससे त्वचा की सफाई अच्छी तरह होती है। नमक के पानी से नहाने से बालों और त्वचा में चमक भी आती है। ठंड में कई बार सफाई की कमी और नम कपड़ों की वजह से शरीर में रैशेज, खुजली व दाद की समस्या हो जाती है। नमक में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। नमक मिला गुनगुना पानी त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया और जीवाणुओं को खत्म कर रोगों से बचाव करता है, जिससे स्किन प्रॉब्लम्स से बची रहती हैं। अमूमन सर्दियों में गर्मियों के मुकाबले निखार कम होने लगता है, खासकर ऑइली स्किन वालों में। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर नहाने से त्वचा पर मौजूद डेड स्किन सेल्स निकल जाते हैं। त्वचा के पोर्स में मौजूद गंदगी निकलने से त्वचा में निखार आता है। नमक मिला गुनगुना पानी मानसिक तनाव को भी कम करता है। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर नहाने से मांसपेशियों को आराम मिलता है और आपकी थकान खत्म होती है।

शरीर के लिए काफी गंभीर होती है क्रोनिक इंफ्लामेशन

कई बार चोट लगने, गिरने, टकराने आदि पर आपने देखा होगा कि शरीर रिस्पांस करता है और उस हिस्से पर सूजन आ जाती है। इसे एक्यूट इन्फ्लेमेशन कहते हैं। इसमें हमारा शरीर हीलिंग के लिए इंफ्लेमेटरी सेल्स को चोट वाली जगह पर भेजने का काम करता है। शरीर के लिए इसे अच्छा माना जाता है क्योंकि ये सेल्स प्रभावित हिस्से में इंफेक्शन से बचाव के साथ शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को रिपेयर करने में मदद करती है। लेकिन दूसरी तरफ अगर आपको किसी तरह की चोट नहीं लगी है और आपका शरीर इंफ्लेमेटरी सेल्स भेजना जारी रखता है तो इस स्थिति को क्रोनिक इंफ्लामेशन कहते हैं, जो आगे चलकर कई बीमारियों का कारण बन सकती है। शरीर के लिए क्रोनिक इंफ्लामेशन काफी गंभीर होती है। इससे मधुमेह, हृदय रोग, अर्थराइटिस, ऑटो इम्यून डिजीज, डिप्रेशन, क्रोनिक हेपेटाइटिस, रीनल डिजीज आदि होने की संभावना होती है। इन बीमारियों से बचाव के लिए एंटी–इंफ्लेमेटरी फूड्स को डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है।

देखते–देखते दिल्ली पहुंचा नया कोविड वेरिएंट, पूरा देश रखे पैनी नजर

पिछले कुछ दिनों में कोविड का नया वेरिएंट काफी संक्रामक हो चुका है। लगभग हर राज्य में इसके मामले मिलने शुरू हो गए हैं। सबसे बड़ी बात कि देश की राजधानी में भी इसका पहला केस देखने को मिला है। जिसकी जानकारी एक न्यूज एजेंसी ने दी। इसके बाद एम्स के बड़े डॉक्टरों ने तुरंत एक मीटिंग करके नये वेरिएंट के बारे में खास जानकारी दी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एम्स ने सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन के मरीजों की टेस्टिंग बढ़ा दी है। साथ ही गंभीर संक्रमण के मरीजों के लिए नया प्राइवेट वार्ड तैयार किया है। ऑफिशियल गाइडलाइन में ओमिक्रोन जेएन. 1 वेरिएंट के खास लक्षण के बारे में भी बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक एम्स द्वारा जारी दिशा निर्देश में ओमिक्रोन श्रछ.1 का खास लक्षण बताया गया है। अगर आपको पिछले 10 दिनों में लगातार तेज बुखार हुआ है और टेंप्रेचर 38 डिग्री सेल्सियस (100.4 डिग्री फॉरेनहाइट) से ज्यादा है और साथ में खांसी है तो आपको नया संक्रमण हो सकता है। इन लक्षणों वाले मरीजों को तुरंत कोविड टेस्टिंग करवानी चाहिए। दिल्ली के 3 सैंपल को जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजा गया था। जिसमें से एक में ओमिक्रोन सब वेरिएंट जेएन.1 की पुष्टि हुई है। लोगों को पूरी एहतियात बरतने की सलाह दी गई है और किसी भी भीड़भाड़ वाली जगह से दूर रहने के लिए कहा गया है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उप–कप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, अवेश खान।

भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुआ यह तेज गेंदबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले मोहम्मद शमी के स्थान पर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अवेश खान को भारतीय टीम में शामिल किया है। आवेश खान ने हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज में 6 विकेट लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया था। आवेश खान ने भारत के लिए अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने भारत के लिए 8 वनडे और 19 टी20ए में मैच खेला है। उनके नाम 22.65 की औसत से 149 प्रथम श्रेणी विकेट दर्ज हैं। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट 3–7 जनवरी, 2024 तक केप टाउन में खेला जाना है। बता दें कि भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में संघर्ष करना पड़ा और उसे पारी और 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत के बल्लेबाजों ने पहली पारी में टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया और उनके तेज गेंदबाजों ने शुरुआत में साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों को परेशान किया। हालांकि, साउथ अफ्रीका ने 163 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। डीन एल्गर ने शानदार 185 रन की पारी खेली। इसके बाद रबाडा और बर्गर की तेज गेंदबाजी आक्रमण के आगे मेहमान टीम टिक न सकी।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद भारत को लगा एक और झटका

मैच फीस का 10 प्रतिशत और डब्ल्यूटीसी के दो महत्वपूर्ण अंक गंवाने पड़े

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में सबसे शर्मनाक हार के साथ भारतीय टीम को मैच फीस का 10 प्रतिशत और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दो महत्वपूर्ण अंक भी गंवाने पड़े। भारत को सेंचुरियन में पहले टेस्ट में तीन दिन के भीतर एक पारी और 32 रन से पराजय का सामना करना पड़ा जो दक्षिण अफ्रीका में उसकी सबसे बड़ी हार है। आईसीसी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, 'आईसीसी एलीट पैनल के मैच रैफरी क्रिस ब्रॉड ने भारतीय टीम को यह सजा सुनाई। भारत निर्धारित समय में लक्ष्य से दो ओवर पीछे था।'

न्यूनतम ओवर रेट के अपराधों के संबंध में आईसीसी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आचार संहिता की धारा 2 . 22 के तहत हर एक ओवर पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना होता है। इसके साथ ही प्रति ओवर डब्ल्यूटीसी का एक अंक कटता है। आईसीसी ने कहा, 'भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सजा स्वीकार कर ली है लिहाजा औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।'

मैदानी अंपायरों पॉल रीफेल और लैंगटन रूसेरे, तीसरे अंपायर अहसान रजा और चौथे अंपायर स्टीफन हैरिस ने सजा सुनाई। सेंचुरियन में हार के बाद भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष से खिसककर दूसरे स्थान पर आ गया। अब ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर है। इस तरह से भारत को हार हार से डबल झटका लगा है।

बता दें कि भारत दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट पारी और 32 रन से हार गया। भारत की पहली पारी में केएल राहुल के शानदार शतक की बदौलत 245 रन बनाए। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने डीन एल्गर ने 185 रन बनाकर साउथ अफ्रीका के लिए मैच जिताऊ पारी खेली। डेविड बेडिंघम (56) और मार्को जानसन (नाबाद 84) ने महत्वपूर्ण अर्द्धशतकों का योगदान दिया, जिससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 408 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। भारत अपनी दूसरी पारी में संघर्ष करता रहा और 131 रन पर आउट हो गया, जिसमें विराट कोहली 76 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

मत भूलो कि ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड में हमने क्या किया

केएल राहुल का शतक छोड़ दिया जाए तो हर बल्लेबाज फेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सेंचुरियन। भारत के कप्तान रोहित शर्मा इस बात से सहमत हैं कि बल्लेबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन वह यह मानने को तैयार नहीं थे कि उन्हें विदेशों में घूमती गेंद का सामना करने में परेशानी हो रही है।

सेंचुरियन में भारत 245 और 131 रन पर आउट हो गया और उसे पारी और 32 रन से मैच हार मिली। पांच साल में यह केवल दूसरी बार था जब उसे विदेश में पारी की हार का सामना करना पड़ा। भारत मैच में केवल 101.5 ओवर तक टिक सका, जिसमें पहली पारी में 67.4 ओवर और दूसरे में 34.1 ओवर, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में अकेले 108 ओवर बल्लेबाजी की।

पहली पारी में केएल राहुल के शानदार शतक और दूसरी पारी में विराट कोहली के 76 रन के अलावा भारतीय बल्लेबाज बुरी तरह फेल रहे। कोई भी साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका। युवा यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर दक्षिण अफ्रीका के अपने पहले टेस्ट दौरे में प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हालांकि, रोहित ने कहा कि चिंता करने और बल्लेबाजों की ज्यादा आलोचना करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि ये वही खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहित शर्मा ने शर्मनाक हार पर अजीबोगरीब दलील देते हुए कहा– उन्हें प्रेरित करने की कोई जरूरत नहीं है। वे सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। यह प्रदर्शन सिर्फ एक है। यह मत भूलिए कि हमने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में क्या किया था। हमने ऑस्ट्रेलिया में अपनी बल्लेबाजी से जीत हासिल की। हमने इंग्लैंड में बल्लेबाजी और गेंदबाजी से हर किसी को हैरान किया। ऐसा नहीं है कि हमें भारत के बाहर बल्लेबाजी करना नहीं आता। कभी–कभी विपक्षी टीम आपसे बेहतर खेलती है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने 110 ओवर बल्लेबाजी की और हम ऐसा भी नहीं कर सके। आप जाएं और पिछले चार या पांच विदेशी दौरों के स्कोरकार्ड देखें हमने किया है।

भड़कीं हरमनप्रीत, फील्डरों को लताड़ लगाते हुए कही बड़ी बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया से 6 विकेट की करारी हार के बाद फील्डिंग पर सवाल खड़े किए। साथ ही खिलाड़ियों से आक्रामक क्रिकेट खेलने को कहा। इस हार से भारतीय कप्तान निराश दिखीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के 282/8 के सर्वश्रेष्ठ वनडे स्कोर के बावजूद, मेहमान टीम ने 47वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फोबे लीचफील्ड (78) और एलिस पेरी (75) ने 148 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ष्हमने मैच जीतने योग्य स्कोर बना था, गेंदबाजों ने अपना काम किया, लेकिन फील्डिंग अच्छी नहीं रही। कुछ देर बाद ओस आ गई थी, लेकिन गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन मैं फील्डिंग से नाखुश थी, पूजा शानदार थी। हमें खुद का समर्थन करने और आक्रामक क्रिकेट खेलने की जरूरत है।

न्यूज डायरी

झूठ बोला और नौटंकी की, फिर भी पैट कमिंस ने नहीं छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। मोहम्मद रिजवान कई बार क्रिकेटर कम एक्टर ज्यादा लगते हैं। इस दौरान वह भूल जाते हैं कि क्रिकेट फील्ड पर पहले विपक्षी टीम के खिलाड़ी नजर रखते हैं। इसके बाद फील्ड अंपायर और मामला नहीं सुलझने पर वाया क्वै रपट थर्ड अंपायर के पास जाती है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला। पैट कमिंस की एक गेंद उनके ग्लव्स पर लगी तो वह यह बताने की कोशिश करने लगे कि कोहनी पर लगी है और वह आउट नहीं हैं। अंपायर तो इससे सहमत नजर आया, हालांकि कंगारू क्रिकेटरों ने क्वै लेते हुए उन्हें आउट करने में कामयाबी हासिल की। उनका झूठ और एक्टिंग पूरी दुनिया ने देखा। पैट कमिंस की बॉडी लाइन पर डाली गई छोटी गेंद थी। मोहम्मद रिजवान गेंद को छोड़ना चाहते थे, लेकिन गेंद निकलते–निकलते उनके ग्लव्स को छू गई। आवाज आई और ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स ने तगड़ी अपील की तो रिजवान अपने अंदाज में एक्टिंग करने लगे। वह अपना हाथ दिखाने लगे कि गेंद ऊपर लगी है। दूसरी ओर, अंपायर भी उनसे सहमत नजर आ रहा था और आउट नहीं दिया, लेकिन पैट कमिंस को इस बात का पूरा भरोसा था कि वह आउट हैं। पैट कमिंस ने डीआरएस का इशारा किया और दूसरी ओर रिजवान के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगीं। ऐसा लग रहा था कि गेंद दस्तानों के बहुत करीब है। हो सकता है कि यह कलाई के बैंड को छू गई हो। रीप्ले से पता चला कि हॉट स्पॉट पर भी थोड़ा सा स्पॉट दिखा।

रवि शास्त्री ने जमकर लगाई लताड़, शर्मनाक हार पर जमकर धोया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने सेंचुरियन टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से भारत की पारी की शर्मनाक हार में कमजोर गेंदबाजी के लिए शार्दुल ठाकुर की आलोचना की है। चौथे भारतीय तेज गेंदबाजी विकल्प शार्दुल ने 5.3 की इकॉनमी रेट से 101 रन खर्च किए और एक विकेट लिया। वह सबसे महंगे भारतीय गेंदबाज रहे। दूसरी ओर, उन्हें बैटिंग काबिलियत की वजह से प्लेइंग–11 में शामिल किया गया, लेकिन वह बल्ले से भी नाकाम रहे। पहली पारी में उनके बल्ले से 24 रन, जबकि दूसरी पारी में 2 रन बनाए। जोहानिसबर्ग 2022 टेस्ट के बाद से शार्दुल ठाकुर ने 7 टेस्ट मैचों में सिर्फ 7 विकेट लिए हैं, जो बताता है कि उनका प्रदर्शन कितना खराब रहा है। शास्त्री को लगा कि भारत के पास अनुभव की कमी थी, जो हार की सबसे बड़ी वजह बनी। शार्दुल ने मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले मैन ऑफ द मैच डीन एल्गर को आउट किया, लेकिन इसके अलावा वह कुछ नहीं कर सके। प्रसिद्ध कृष्णा अपना टेस्ट डेब्यू कर रहे थे और उनके लिए भी यह मैच किसी बुरे सपने की तरह था। पूर्व कोच रवि शास्त्री ने शार्दुल ठाकुर पर भड़कते हुए कहा– भारत के गेंदबाजी आक्रमण में अनुभव की कमी है। उनके पास दो ऐसे खिलाड़ी हैं जो काफी अनुभवी हैं–बुमराह और सिराज।

साउथ अफ्रीका को झटका, कप्तान टेम्बा बावुबा दूसरे टेस्ट से बाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सेंचुरियन। भारत को पहले टेस्ट में शर्मनाक हार देने वाली साउथ अफ्रीकी टीम के लिए एक बुरी खबर है। पता चला है कि कप्तान टेम्बा बावुमा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण नए साल के मौके पर खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए गए हैं। यह वही इंजरी है जिसके चलते बावुबा बॉक्सिंग–डे टेस्ट मैच के दौरान भी अधिकतर वक्त मैदान से बाहर रहने के मजबूर थे। अब सेंचुरियन में 185 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले डीन एल्गर अपने आखिरी टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी संभालेंगे। इस बीच जुबैर हमजा को बावुबा के रिप्लेसमेंट के रूप में स्क्वॉड में शामिल किया गया है। पहले टेस्ट की पहली सुबह 20वें ओवर में फील्डिंग के दौरान बावुमा इंजर्ड हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने तुरंत मैदान छोड़ दिया था और स्कैन के लिए हॉस्पिटल गए थे। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कोच शुक्री कॉनराड ने पुष्टि की कि, श्बावुमा अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं थे। टीम बिना किसी पुख्ता जानकारी के कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करना चाहती थी। साउथ अफ्रीका आसानी से मैच जीत रहा था इसलिए बावुमा ने कोई रिस्क लिए बिना बल्लेबाजी न करने का फैसला चुना था। टेस्ट सीरीज के बाद टेम्बा बावुबा को टी 20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी दम दिखाना है।

पेज थ्री देहरादून

स्वामी चिदानन्द सरस्वती, गुरुमाँ आनंदमूर्ति और साध्वी भगवती सरस्वती की हुई भेंटवार्ता।

देहरादून, शनिवार, 30 दिसंबर 2023 पेज 8

हमारा दून

आज भी हम कोई चाह रखते हैं तो राम राज्य की रखते है चाह: सीएम

आयोजन

■ मुख्यमंत्री ने श्रीराम कथा के 18वें धार्मिक महा–आयोजन में किया प्रतिभाग

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में विनोद नगर वॉर्ड स्थित श्री बद्रीनाथ मंदिर में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान–यज्ञ आयोजन समिति द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के 18वें धार्मिक महा–आयोजन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रीराम कथा सुनी। श्रीराम कथा का वाचन भगवताचार्य डॉ. गीता राम त्रिपाठी द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें श्रीराम कथा का साक्षी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का पूरा जीवन एक दर्शन है। यदि हम उनका अनुसरण कर जीवन मार्ग पर कुछ कदम भी चल पाए तो इस जीवन को सार्थक बना लेंगे। पिता से बनवास पाया तो उन्होंने बताया कि एक पुत्र का धर्म क्या होना चाहिए। भरत को गले लगा कर उन्होंने बताया कि एक बड़े भाई का धर्म क्या होना चाहिए। केवट और सुग्रीव से मिले तो उन्होंने बताया कि एक मित्र का धर्म क्या होना चाहिए। जब रावण से आमना–सामना हुआ तो भी उन्होंने बताया कि शत्रुता के बावजूद हमें कैसे धर्म का पालन करना चाहिए। जब राम राजा बनें तो भी उन्होंने बताया कि एक राजा का धर्म क्या होना चाहिए। इसीलिए वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए और आज भी हम कोई चाह रखते हैं तो राम राज्य की चाह रखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के जीवन की एक–एक घटना और उनका प्रत्येक निर्णय हमें एक आदर्श व्यक्ति बनाने के लिए काफी हैं। राम शांति के भी स्वरूप हैं और शक्ति के भी। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम सभी 22 जनवरी को उस घड़ी के साक्षी होने जा रहे हैं, जब रामलला अपने जन्मस्थान में विराजमान होंगे। भगवान राम के कृतित्व ने मुझे जीवन में सही राह चुनने में हमेशा सहायता की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड का मुख्य सेवक के रूप में वे धर्म के मार्ग पर चलकर जो भी फैसले लेते हैं, वे स्वयं ही समाजहित में सही हो जाते हैं। राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए कदम उठाने, धर्मांतरण को रोकने, नकल रोकने, लैंड जिहाद रोकने, लव जिहाद रोकने के लिए जितने भी निर्णय लिए हैं, वे सब आज समाजहित में सही साबित हो रहे हैं। यदि हम भगवान के बताएं मार्ग पर चलेंगे तो आपको किसी और के मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

इस अवसर पर विनोद नगर वॉर्ड के निगम पार्षद रवि नेगी, आयोजक व भारत सरकार के राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड अध्यक्ष बीरेन्द्र जुयाल, पूर्व निगम पार्षद सत्या जोशी, बी.एल. ढौंड़ियाल, विजय जुयाल, हिमनद महिला संघ अध्यक्षा गायत्री जायड़ा, मोर सिंह रावत और भीम सिंह भण्डारी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

फड़ ठेली व्यापारियों की समस्याओं को लेकर होगा प्रदर्शन

संवाददाता देहरदून। सीटू कार्यालय में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। जिसमें फड़ ठेली लगाने वाले व्यापारियों की समस्याओं को लेकर लेकर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने निर्णय लिया कि सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर और ज्ञापन सौंपकर मांग की जाएगी कि फड़ ठेली लगाने वालों को हटाने पर रोक लगाई जाए। ताकि उनके रोजगार पर कोई बुरा असर नहीं पड़े। इस दौरान राष्ट्रीय उत्तराखंड पार्टी केद्र अध्यक्ष नवनीत गुंसाई, सीपीएम देहरादून सचिव अनन्त आकाश, सीटू जिला महामंत्री लेखराज, जिला उपाध्यक्ष भगवंत पयाल, कोषाध्यक्ष रविंद्र नौडियाल, उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के चिन्तन सकलानी, इफ्टा के हरिओम पाली, रोडवेज कर्मचारी नेता दयाकृष्ण पाठक, समीर, महेन्द्र राय, मामचन्द आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता को पांच खिलाड़ियों का चयन

संवाददाता देहरादून। देहरादून जिले के पांच खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी निधि बिंजोला ने बताया कि 31 दिसंबर से तीन जनवरी तक रायपुर छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन होना है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्तराखंड के खिलाड़ियों में देहरादून जिले के सूर्यांश गड़िया, आदित्य थपलियाल, शौर्य गौरोला, अपूर्वा नेगी, साइना बिष्ट का चयन हुआ है। इसमें प्रदर्शन के आधार पर देहरादून के पांच खिलाड़ियों का चयन नेशनल के लिए हुआ है।

मिशन स्वच्छता के लिए जारी की एक नई जागरूकता फिल्म

संवाददाता देहरादून। यदि आप शौचालय को गंदा छोड़ देते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए हो सकता है! शौचालय को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करने के लिए शुरू की गई हार्पिक और न्यूज18 नेटवर्क की उल्लेखनीय पहल मिशन स्वच्छता और पानी के तहत शौचालयों की सफाई के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई जागरूकता फिल्म करलो कर्मों का उद्धार जारी की गई।

एनएसई करता है वित्तीय विकास के लिए प्रोत्साहित

संवाददाता देहरादून। जल्द ही हम नए साल में कदम रखने जा रहे हैं, इस मौके पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते है। एनएसई आपको विवेक और परिश्रम के साथ वित्तीय विकास की यात्रा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह सलाह भी देता है कि केवल पंजीकृत मध्यस्थों के साथ ही डील करें और कभी भी अनियमित उत्पादों में निवेश न करें।

निकायों में कार्यरत अस्थायी कर्मचारी नियमित किए जाएं

संवाददाता देहरादून। राज्य में मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों को स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के लिए विभाग अब बाध्य नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में सचिव श्री विनोद सुमन की ओर से आज इस संबंध में आदेश जारी किए हैं कि उक्त आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

शासन के संज्ञान में यह तथ्य लाया गया था कि राज्य में सेवायोजन, शैक्षणिक संस्थाओं, प्रदेश में अन्य विभिन्न कार्यों हेतु उत्तराखंड के मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों को संबंधित विभागों, संस्थाओं व संस्थानों द्वारा स्थाई निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जबकि इस सम्बन्ध में सामान्य प्रशासन विभाग के शासनादेश 28 सितम्बर 2007 के द्वारा मूल निवास प्रमाण पत्र धारकों के लिये स्थायी निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता न होने के सम्बन्ध में स्पष्ट निर्देश पूर्व में ही दिये गये हैं। सचिव विनोद कुमार सुमन ने आज इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि जिन प्रयोजनों के लिये स्थाई निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता है।

एसआईएसएफ के गठन की कार्यवाही को तीव्र करने के निर्देश

समीक्षा

■एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने गृह विभाग की समीक्षा की

संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार संरक्षण के दृष्टिगत अपर मुख्य सचिव गृह श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलों के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को कारागारों की मांग पर कैदियों को मेडिकल सुविधा आदि तक पहुंचाने के लिए सुरक्षा कर्मियों की आपूर्ति को तत्काल एवं शीर्ष प्राथमिकता पर पूरा करने की कड़ी हिदायत दी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के ड्रग्स फ्री देवभूमि के विजन को जल्द से जल्द साकार करने हेतु श्रीमती राधा रतूड़ी ने राज्य में शीघ्र एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के गठन हेतु गढ़वाल और कुमाऊँ मण्डल में एक–एक ड्रग्स इंस्पेक्टर तथा 35 अन्य कार्मिकों के स्पष्ट प्रस्ताव को शीघ्र गृह विभाग को भेजने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए हैं।

शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड में सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, बैंकों, हैलीपैड, हैलीपोर्ट, औद्योगिक आस्थानों की सुरक्षा के लिए गठित की जाने वाली एसआईएसएफ (राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल) के गठन की कार्यवाही को तीव्र करने के निर्देश पुलिस, होमगार्ड्स एवं अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए। बैठक में उन्होंने इससे सम्बन्धित सभी लंबित प्रस्तावों की समीक्षा की। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के तर्ज पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) गठन के निर्देश दिए हैं। राज्य में बैंकों एवं औद्योगिक आस्थानों, हैलीपैड एवं सरकारी उपक्रमों की पुख्ता सुरक्षा के लिए एक उत्तरदायी एवं संवेदनशील सुरक्षा बल की नितान्त आवश्यकता है।

बैठक में विशेष सचिव गृह श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल सहित सम्बन्धित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का पूरी तरह से गठन के निर्देश

बैठक में श्रीमती राधा रतूड़ी ने नशीले पदार्थों के तस्करों से कड़ाई से निपटने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का पूरी तरह से गठन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इस सम्बन्ध में हिमाचल प्रदेश मॉडल और उत्तर प्रदेश मॉडल का अध्ययन करने के भी निर्देश दिए हैं। इस दिशा में नशा तस्करों की रीढ़ तोड़ने और अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय गिरोहों का पर्दाफाश करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का सहयोग लिया जाएगा।

कर्मचारियों को अब मिलेगा पदोन्नति में शिथिलता का लाभ

संवाददाता देहरादून। राज्य के कर्मचारियों को पदोन्नति में शिथिलता का लाभ मिलेगा। इसके लिए कैबिनेट ने पदोन्नति में शिथिलता का लाभ देने के आदेश कर दिए हैं। इसका लाभ कर्मचारी जून 2024 तक उठा सकेंगे। कार्मिक विभाग ने साफ किया है कि ये लाभ तभी मिलेगा, जब उससे वरिष्ठ पात्र सभी कर्मचारियों के प्रमोशन हो चुके होंगे। ताकि कैडर मैनेजमेंट में कोई विसंगति पैदा न हो। सभी कर्मचारी संगठनों की मांग की थी कि उन्हें पदोन्नति में शिथिलता का लाभ दिया जाए। पूर्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ हुई वार्ता में मिले आश्वासन के क्रम में कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। शुक्रवार को सचिव कार्मिक शैलेश बगोली ने कैबिनेट आदेश के बाद प्रमोशन में शिथिलता का लाभ देने का आदेश जारी किया। ये लाभ सभी ग्रेड पे वाले कर्मचारी, अफसरों को मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।